1. वह चिड़िया जो

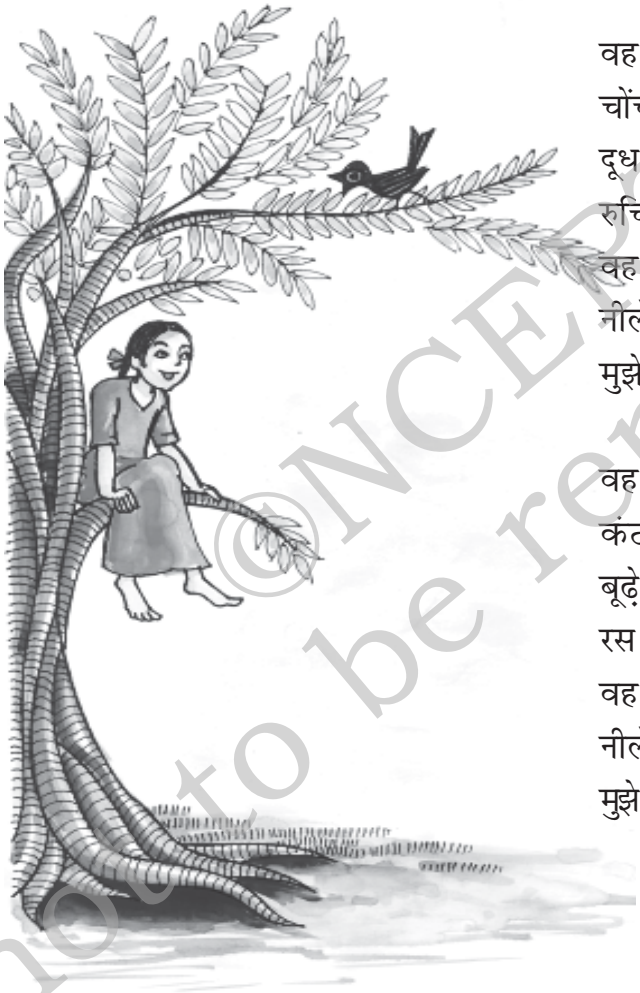

वह चिड़िया जो–
चोंच मार कर
दूध-भरे जुंडी के दाने
रुचि से, रस से खा लेती है
वह छोटी संतोषी चिड़िया
नीले पंखों वाली मैं हूँ
मुझे अन्न से बहुत प्यार है।

वह चिड़िया जो–
कंठ खोल कर
बूढ़े वन-बाबा की खातिर
रस उँडेल कर गा लेती है
वह छोटी मुँह बोली चिड़िया
नीले पंखों वाली मैं हूँ
मुझे विजन से बहुत प्यार है।

© NCERT not to be republished

वह चिड़िया जो–
चोंच मार कर
चढ़ी नदी का दिल टटोल कर
जल का मोती ले जाती है
वह छोटी गरबीली चिड़िया
नीले पंखों वाली मैं हूँ
मुझे नदी से बहुत प्यार है।

❑ *केदारनाथ अग्रवाल*

प्रश्न-अभ्यास

कविता से

1. कविता पढ़कर तुम्हारे मन में चिड़िया का जो चित्र उभरता है उस चित्र को कागज़ पर बनाओ।
2. तुम्हें कविता को कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे? उपयुक्त शीर्षक सोच कर लिखो।
3. इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?
4. कवि ने चिड़िया को छोटी, संतोषी, मुँह बोली और गरबीली चिड़िया क्यों कहा है?
5. आशय स्पष्ट करो–
   (क) रस उँडेल कर गा लेती है
   (ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर
   जल का मोती ले जाती है

© NCERT not to be republished

अनुमान और कल्पना

1. कवि ने नीली चिड़िया का नाम नहीं बताया है। वह कौन-सी चिड़िया रही होगी? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए भारत की चिड़ियों के बारे में सबसे अधिक जानकारी रखने वाले पक्षी-विज्ञानी सालिम अली की पुस्तक 'भारतीय पक्षी' देखो। उसमें ऐसे सभी पक्षियों का विस्तार से वर्णन है जो हमारे देश में पाए जाते हैं। इनमें ऐसे पक्षी भी शामिल हैं जो जाड़े में एशिया के उत्तरी भाग और अन्य ठंडे देशों से भारत आते हैं। सालिम अली की पुस्तक देखकर तुम अनुमान लगा सकते हो कि इस कविता में वर्णित नीली चिड़िया शायद इनमें से कोई एक रही होगी :

   नीलकंठ
   छोटा किलकिला
   कबूतर
   बड़ा पतरिंगा

2. नीचे पक्षियों के कुछ नाम दिए गए हैं। उनमें यदि कोई पक्षी एक से अधिक रंग का है तो लिखो कि उसके किस हिस्से का रंग कैसा है ? जैसे तोते की चोंच लाल है, शरीर हरा है।

   मैना कौआ बतख कबूतर

3. कविता का हर बंध 'वह चिड़िया जो' से शुरू होता है और 'मुझे... बहुत प्यार है' पर खत्म होता है। तुम भी दी गई इन पंक्तियों का अपनी कल्पना से प्रयोग करते हुए कविता में कुछ नए बंध जोड़ो।

भाषा की बात

1. पंखों वाली चिड़िया ऊपर वाली दराज़
   नीले पंखों वाली चिड़िया सबसे ऊपर वाली दराज़

यहाँ रेखांकित शब्द विशेषण का काम कर रहे हैं। अगले पृष्ठ पर 'वाला/वाली' जोड़कर बनने वाले कुछ और विशेषण दिए गए हैं। ऊपर दिए गए उदाहरणों

© NCERT not to be republished

की तरह इनके आगे एक-एक विशेषण और जोड़ो–

..... मोरों वाला बाग
..... पेड़ों वाला घर
..... फूलों वाली क्यारी
..... खादी वाला कुर्ता
..... रोने वाला बच्चा
..... मूँछों वाला आदमी

2. वह चिड़िया.....जुंडी के दाने **रुचि से**.....खा लेती है।
वह चिड़िया.....**रस उँडेल कर** गा लेती है।
कविता की इन पंक्तियों में मोटे छापे वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो। पहले वाक्य में 'रुचि से' खाने के ढंग की और दूसरे वाक्य में 'रस उँडेल कर' गाने के ढंग की विशेषता बता रहे हैं। अतः ये दोनों क्रिया-विशेषण हैं। नीचे दिए वाक्यों में कार्य के ढंग या रीति से संबंधित क्रिया-विशेषण छाँटो–

(क) सोनाली जल्दी-जल्दी मुँह में लड्डू ठूँसने लगी।
(ख) गेंद लुढ़कती हुई झाड़ियों में चली गई।
(ग) भूकंप के बाद मुज़फ़्फ़राबाद की ज़िंदगी धीरे-धीरे सामान्य होने लगी।
(घ) कोई सफ़ेद-सी चीज़ धप्प से आँगन में गिरी।
(ङ) इबोबी फुर्ती से चोर पर झपटा।
(च) तेजिंदर सहमकर कोने में बैठ गया।
(छ) यह पत्र मिलते ही फ़ौरन घर चली आओ।
(ज) आज अचानक ठंड बढ़ गई है।

ध्यान देने योग्य शब्द

रुचि – इच्छा, पसंद
विजन – जंगल
गरबीली – गर्व करने वाली

© NCERT not to be republished